रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 46 ● अंक – 08 ● कानपुर 16 से 30 अप्रैल 2024 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

24 अप्रैल को 50वें वर्ष में कर जायेगा प्रवेश

आइये इस मधुर बेला पर 24 अप्रैल को एक यादगार सुनहरे दिन में बदल दें

आज की
इलेक्ट्रो होम्योपैथी को
जो सम्मान
मिला है

वास्तव में इसका श्रेय
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0
के चेयरमैन
EHडा0 एम0एच0 इदरीसी को जाता है

पढ़े अन्दर के पन्नो में

मंज़िल आसान हो सकती है

आज चिकित्सा के क्षेत्र में प्रतिदिन नये–नये आविष्कार हो रहे हैं, आविष्कार केवल एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में ही हो रहे हैं ऐसा नहीं है, चिकित्सा के क्षेत्र में आयुर्वेद/यूनानी/होम्योपैथी/ इलेक्ट्रो होम्योपैथी आदि में प्रतिदिन कार्य किये जा रहे हैं, मान लीजिये आपने कोई औषधि पर विश्लेषण किया और पाया कि अमुक पौधा जिसे हम अब तक तुच्छ मानते थे उसमें ऐसे गुण समाहित हैं कि जिसके बारे में न तो किसी ने पूर्व में सोचा था और न ही उसपर किसी का ध्यान गया था, चिकित्सा जगत में अनेक जर्नल प्रकाशित होते हैं, इन जर्नलों में नाना प्रकार के रोगों का नया नया नामकरण भी होता है, जब नये रोग उत्पन्न हो रहे हैं तो इनकी चिकित्सा भी होना आवश्यक है, यद्यपि भारतवर्ष में चिकित्सा के क्षेत्र में आविष्कारकों की संख्या कम हो सकती है या यूँ कहें कि अन्य देशों की अपेक्षा हमारी उनसे कम है, वहीं विदेशों में आये दिन कुछ न कुछ नया होता रहता है, आवश्यक नहीं कि हर आविष्कार सफ़ल हो वर्षों लग जाते हैं एक आविष्कार को सफल होने में, तब कहीं जाकर सफ़लता के पायेदान पर खड़े होने का अवसर मिलता है, अपने आविष्कार को सिद्ध करने में ही वर्षों का समय लग जाता है कभी–कभी तो ऐसा होता है कि आविष्कार कर लेने के उपरान्त भी आपको असफलता का मुंह देखना पड़ता है, आपकी छोटी सी चूक आपके आविष्कार को नगण्य कर देती है।

बात जब आविष्कार की है तो भला इलेक्ट्रो होम्योपैथी क्यों पीछे रहे हमारे भी चिकित्सक आये दिन कुछ न कुछ नया करने की सोचा करते हैं, परन्तु हमें सही दिशा, दशा व उचित मार्ग नहीं मिल पाता है, कारण हमारे अन्दर स्वयं ही हीनता है यदि किसी ने कुछ नया कर भी लिया तो हमारे बीच के चिकित्सक उसे स्वीकारने का साहस नहीं करते हैं।

वैसे तो भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा अनुसंधान करने हेतु इलेक्ट्रो होम्योपैथी को पूर्ण स्वतंत्रता दे रखी है, भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय भी जानता है इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति भी चिकित्सा विज्ञान की एक शाखा है जिस प्रकार अन्य चिकित्सा पद्धतियों में नित्य नये–नये आविष्कार होते हैं सरकार चाहती है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालक भी अनुसंधान हेतु अपना स्वयं का मार्ग चुने और अपने बल–बूते पर अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना कर चिकित्सा जगत में अपना परचम लहरायें, तभी तो 21 जून, 2011 भारत सरकार एवं 04 जनवरी, 2012 को प्रदेश सरकार ने जो आदेश क्रमशः इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया (EHMAI) को Practice, education and research पर विशेष बल दिया है, ठीक इसी प्रकार प्रदेश सरकार ने जो शासनादेश बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के पक्ष में जारी किया है उसमें भी अनुसंधान का उल्लेख किया गया है अब हम सभी का यह दायित्व बनता है कि अधिक से अधिक अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना करें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा व्यवसाय कर रहे चिकित्सकों का भी अब दायित्व और बढ़ गया है, वे यदि कुछ नया कर गुज़रने की मन में लालसा रखते हों तो जो कुछ भी नया करें उसका विधिवत लेखा जोखा जैसे रोगी का नाम पता आयु बीमारी एवं उसे किस दवा द्वारा कितना लाभ हुआ उसका रिकार्ड रखना लाभकारी होगा तभी आप रोग को चुनौती दे सकते हैं, अन्यथः आपकी सारी मेहनत व्यर्थ ही मानी जायेगी।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में नित्य नये–नये प्रयोग किये जा रहे हैं जिनके परिणाम भी सामने आ रहे हैं और तो और पूरे देश में कैन्सर जैसे जटिल रोग से छुटकारा दिलाने हेतु सैकड़ों की सख्या में दर्द निवारक केन्द्रों की स्थापना की गयी है जहाँ पर प्रतिदिन अनेक रोगी आकर अपना इलाज करा रहे हैं जिन्हें अप्रत्याशित सफ़लता भी प्राप्त हो रही है।

इस प्रकार के समाचार नित्य प्रति हमारे सम्पादकीय डेस्क पर अनेक माध्यमों से प्राप्त होते रहते हैं।

वर्चस्व के युद्ध में कहीं अपना अस्तित्व न खो दें

बड़े–बड़े इतिहासकारों एवं विशेषज्ञों का भी मानना है कि किसी भी युद्ध को जीतने के लिए उस युद्ध से जुड़े रणबांकुरों का बहुत महत्व होता है और उससे ज़्यादा महत्व होता है उन रणनीतिकारों का जो रण जीतने के लिए तरह तरह की बिसात बिछाते हैं।

वैसे तो हर योद्धा अपनी विजय के प्रति आश्वस्त होता है परन्तु विजय उसी को मिलती है जिसके अन्दर जीतने की जिज्ञासा और बौद्धिक शौर्य व अदम्य पराक्रम भी हो, यह क्रिया हर युद्ध में लाभकारी होती है युद्ध से तात्पर्य यहां पर तोप, तलवार, बम या एटम बम के द्वारा लड़े जाने वाले युद्ध की नहीं है, यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थापना के लिए लड़ा जाने वाला धर्मयुद्ध है, इस युद्ध को धर्म युद्ध की संज्ञा इसलिए दी गयी है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य करने वाले हर कार्यकर्ता का कर्म भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी है और धर्म भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी है, जिस तरह से क्षत्रिय अपना क्षत्रिय धर्म निर्वहन करके आत्मगौरव का अनुभव करता है ठीक इसी तरह से हम इलेक्ट्रो होम्योपैथ भी अपने धर्म का निर्वहन करते हुए गौरव का अनुभव करते हैं, शौर्य और पराक्रम का मतलब हम अपने बौद्धिक बल से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का इतना विकास करें कि जन–जन की जुबान पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी का नाम हो।

हमने उपेक्षा का जो दंश झेला है यदि उसके शमन का अवसर हमें प्राप्त हुआ है तो हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथों को चाहिये कि अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए इस अवसर का पूरा लाभ उठावें, परिस्थितियां पल–पल बदल रही हैं, कल जो था वह आज नहीं है और जो आज है वह कल भी रहे यह आवश्यक नहीं है, ऐसा नहीं है कि हमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करवाने के अवसर नहीं प्राप्त हुए हैं ! अवसर भी मिले हैं और हमने उन्हें भुनाने का प्रयास भी किया है परन्तु सरकार की बदलती नीतियों के कारण हम उस स्थान को प्राप्त नहीं कर सके जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अपेक्षित है, कभी कभी गम्भीरता से विचार करने पर जो बात उभर कर आती है तो मन विचलित हो जाता है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की इस गति के लिए जितनी दोषी सरकार है उससे कम दोष हम सब का भी नहीं है।

वर्षों–वर्षों तक उपेक्षा झेलने के बाद भी हम आज तक वैचारिक एकता में सफ़ल नहीं हो पा रहे हैं ! जबकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में ही सबका विकास निहित है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के स्थापित होने से किसी को भी व्यवसायिक हानि नहीं होनी है लाभ सबको मिलेगा कम या ज़्यादा यह तो अपनी–अपनी कार्य क्षमता पर निर्भर करेगा, व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा तो होनी ही चाहिये यह अलग बात है कि अलग–अलग समूहों में बंटी इलेक्ट्रो होम्योपैथी में नेतृत्व कर्ताओं के लाभ हानि की गणित अवश्य गड़बड़ा सकती है।

जब भी कोई आन्दोलन अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है सहयोग तो सबका होता है परन्तु आगे कोई एक ही होता है इसलिये आगे और पीछे की भावना से ऊपर उठकर मात्र इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास रथ को आगे बढ़ाने का प्रयास होना चाहिये, यह अवसर हम सब को प्राप्त हुआ है 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार ने जो नोटिस जारी किया उस नोटिस का गहनता के साथ अध्ययन करते हुए आगे की रणनीति बनानी चाहिये थी, जब से यह नोटिस आयी है पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वातावरण एकदम से गर्म हो गया है एक तो गरमी का मौसम ऊपर से इस नोटिस की गर्मी कभी कभी ज़्यादा गर्म वातावरण भी कष्टकारी हो जाता है इसलिए शान्त मन और शान्त भाव से इस क्षेत्र में कोई निर्णय लेना होगा, आधी अधूरी जानकारी के साथ सरकार के पास जाना कहाँ की बुद्धिमानी होगी और सारी जानकारी एकत्रित करने के लिए दूसरों से परहेज़ नहीं करना चाहिये, परन्तु इसे क्या कहें एक महीने के अन्दर जिस तरह की उठापटक दिखायी दी वह कोई शुभ संकेत नहीं दे पायी देश में वर्षों से संचालित हो रही इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर सबका समान अधिकार है।

सबकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिये यह अलग बात है कि कोई ज़्यादा बुद्धिमान होता है और कोई धीरे–धीरे समझता है, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो शब्दों की बाज़ीगरी से सामने वालों को ऐसा सम्मोहित कर लेते हैं कि सामने वाला व्यक्ति यथार्थ और आभासी में अन्तर ही नहीं स्थापित कर पाता है।

हमें अपनी जड़ें नहीं भूलनी चाहिये सम्भव है कि नई पीढ़ी ज़्यादा बुद्धिमान हो, ज़्यादा चमकदार हो और कला बाज़ियों से ज़्यादा धन भी अर्जित कर लिया हो परन्तु उसकी पहचान अपनी जड़ों से ही होती है, बहुत सम्भव है कि हमारे कुछ नवजवान साथियों ने कुछ अर्जित किया हो परन्तु इस अर्जन के लिए यदि हमें मैटी का मूल्य चुकाना पड़े तो कदाचित यह किसी भी इलेक्ट्रो होम्योपैथ को स्वीकार नहीं होगा।

मैटी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक दूसरे का पर्याय हैं, मैटी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को खोजा था, इलेक्ट्रो होम्योपैथी मैटी की ही देन है यदि कोई इस विषय पर अलग विचार रखता है तो वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी का हित साधक नहीं हो सकता है, मैटी जब तक जीवित रहे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए काम करते रहे उनके जाने के बाद उनके कार्य को वेन्ट्रोली मैटी ने गति दी, क्योंकि वेन्ट्रोली मैटी एवं उनके आश्रितों के बाद जिसको जैसा जी चाहा उसने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह नाम दिया।

सन 1930 में जर्मनी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कॉम्पलेक्स होम्योपैथी का नाम दिया गया, सन् 1952 में इसे जे0 एस0 ओ0 मोड आफ़ मेडिकल ट्रीटमेन्ट के नाम से पहचाना गया, कितना भी बदलाव आया हो लेकिन इलेक्ट्रो शब्द का मोह कोई नहीं छोड़ पाया, नाम कोई भी रहा हो पर उसके प्रणेता के रूप में मैटी ही स्थापित रहे इन गुज़रे लगभग डेढ़ सौ से अधिक वर्षों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने कई रूप, कई रंग देखे हैं सबकुछ बदला, परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सिद्धान्त नहीं बदला और न ही मैटी बदले।

आज कई वर्षों के बाद फिर जब भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नियमतीकरण की जो नई अलख जलायी है हमें उसे और रोशनी देनी है इसे रोशनी देने के लिए हमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इतिहास को बहुत मज़बूती के साथ सरकार के समक्ष रखना है हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि सरकार के जो अधिकारी हमारे पक्षों को सुन रहे हैं वह इलेक्ट्रो होम्योपैथ को छोड़कर बाकी सब कुछ होंगे इसलिए हमें बड़ी चतुराई के साथ एक–एक बिन्दु पर गम्भीरता से चिन्तन करते हुए विवेक का प्रयोग करना चाहिये और इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थापना में अपना योगदान देना चाहिये, समय के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना आज की आवश्यकता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में वह सबकुछ है जो सरकार चाहती है, यह तो सरकार ने मान्यता के विषय को

शेष अंतिम पेज पर

इतिहास के पन्नो से स्थापना दिवस

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 विगत 49 वर्षों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में अबाध्य रुप से अपनी सेवायें चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषतः इलेक्ट्रो होम्योपैथी को न सिर्फ आगे बढ़ा रहा है अपितु अपनी कार्य शैली के माध्यम से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के सुव्यवस्थित एवं नियमित शिक्षण हेतु बोर्ड द्वारा प्रदेश के अनेक जनपदों में शिक्षण हेतु संस्थानों एवं अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से अनेकों कायक्रमों के साथ–साथ नये (फ्रेशर्स) को भी उचित शैक्षिणिक गुणवत्ता के साथ साथ चिकित्सा जगत में जहां एक ओर चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियां असाध्य रोगों के उपचार हेतु प्रचलन में हैं वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियां भी साध्य एवं असाध्य रोगों के उपचार हेतु आरोग्य प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत कर रहा है।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का 49वां स्थापना दिवस समारोह आगामी 24 अप्रैल, 2024 दिन–बुधवार, अपरांह 3 बजे, आयोजित किया जायेगा विदित हो कि बोर्ड द्वारा अपना तीसरा दीक्षान्त समारोह स्थानीय हिन्दी भवन, नई दिल्ली में दिनांक 29 अप्रैल 1997 को आयोजित किया गया था, इस अवसर पर स्मृति शेष सर्वश्री शिव पूजन सिंह एडवेकेट – सुप्रीमकोर्ट, ओम प्रकाश श्रीवास्तव पूर्व स्वास्थ्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं श्री रघु ठाकुर अध्यक्ष लोसपा क्रमशः उदघाटनकर्ता, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि के रुप में सम्मिलित हुये थे।

बोर्ड द्वारा 1995 एवं 1996 के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को उपाधियां वितरित्त की गयी थी तथा इस अवसर पर अन्य सहित डा0 एस0 हक–झारखण्ड को डी0एस0सी0 ई0एच0 की मानद उपाधि से भी अलंकृत किया गया था इसी क्रम में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के सहयोग से 30 अप्रैल, 1997 को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया द्वारा प्यारे लाल भवन आई0 टी0 ओ0 नई दिल्ली में महा सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था तथा 01 मई, 1997 को फिरोजशाह कोटला मैदान (नई दिल्ली) से निर्माण भवन तक एक रैली निकाली गयी थी, जिसे संसद मार्ग थाने में रोक लिया गया था परिणाम स्वरुप लगभग 500 लोगों ने अपनी गिरफ्तारी भी दी थी।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा वर्ष 2014 में अपना 40वां स्थापना दिवस समारोह लखनऊ स्थित राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैंसरबाग, बारादरी में आयोजित किया गया था, इस अवसर पर बोर्ड के नये प्रॉस्पेक्टस का विमोचन भी किया गया था समारोह के मुख्य अतिथि ख़्वाजा–ग़रीब–नवाज़ उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति, पूर्व आई0 ए0 एस0, डा0 अनीस अंसारी थे इस समारोह में देश के वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथ, एवं अनेक संस्था संचालकगण बढ़ी संख्या में सम्मिलित हुये, समारोह की भव्यता इसलिये भी थी क्योंकि 1997 के बाद यह पहला बड़ा कार्यक्रम था, इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित चिकित्सकों को भी सम्मानित किया गया था ।

इसी प्रकार बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का 42वां स्थापना दिवस समारोह उ0प्र0 की राजधानी लखनऊ के गंगा प्रसाद वर्मा मेमोरियल हॉल, अमीनाबाद में आयोजित किया गया था इस समारोह में डा0 एस0 के0 विश्वास–मिदनापुर (पश्चिम– बंगाल) डा0 ए0 पी0 मौर्या–कोलकाता, डा0 आर0 के0 वर्मा "रवि"–अम्बिकापुर की उपस्थिति उल्लेखनीय थी, इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डा0 राम आसरे कुशवाहा थे इस अवसर पर उत्कृष्ठ कार्य करने वाले संस्थानों में प्रमुख रुप से आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट–रायबरेली, माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट–लखीमपुर तथा चाँद पार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट–आज़मगढ़ को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, इस अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रखर वक्ता स्मृति शेष डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी को भी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मनीषी उपाधि से विभूषित किया गया था।

वर्ष 2017 में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध कमेटी ने निश्चिय किया कि गत वर्षों की भांति स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मनाया जाये, क्योंकि यह वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में बहुत महत्वपूर्ण है बोर्ड ने अपने नवीन पाठ्यक्रमों क्रमशः **G.E.H.S.** एवं **P.G.E.H.** के संचालन करने का निश्चिय किया जिसका लोकार्पण बोर्ड के कार्यालयों सहित बोर्ड द्वारा सम्बद्ध संस्थानों एवं अध्ययन केन्द्रों में 43वें स्थापना दिवस के अवसर पर 24 अप्रैल, 2017 को किया गया था वहीं भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2017 को नोटिस जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के मैकेनिज़्म हेतु प्रपोज़ल आमंत्रित किये गये, 31 दिसम्बर, 2017 तक प्राप्त प्रपोज़लों के परीक्षणोंपरान्त दिनांक 09 जनवरी, 2018 को प्रज़ेन्टेशन हेतु सभी प्रपोज़ल देयताओं को आमंत्रित किया।

ज्ञातव्य हो कि 21 दिसम्बर, 2017 को भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया को स्पष्ट किया जा चुका था कि केन्द्र सरकार का स्टैण्ड 21 जून, 2011 का आदेश (जो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया को ही प्राप्त है) आज भी है।

भारत सरकार द्वारा प्राप्त प्रपोज़ल तथा दिनांक 09 जनवरी, 2018 को दिये गये प्रजेन्टेशन के निष्कर्ष के रुप में जो कार्यवाही 19 मार्च, 2018 को सामने आयी उससे स्पष्ट होता है कि सरकार द्वारा वांछित जानकारियां सटीक रुप से प्रस्तुत नहीं की गयी थीं, जिसके कारण इन्टरडिपार्टमेन्टल कमेटी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाई और उसने बिना किसी टिप्पणी के पुनः प्रपोज़ल देने की अपेक्षा की, इस प्रकार सरकार ने एक बार फिर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथ न्याय करते हुये स्टेक होल्डर्स को अवसर प्रदान कर दिया था देखना यह है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ किस प्रकार उठाते हैं ? निःसंदेह आनेवाले समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वे सारी सुविधायें मिलेंगी जो अन्य पद्धति को प्राप्त हैं।

A 42 years old correspondence regarding practice in Electro Homoeopathic System in London made by Dr. M. H. Idrisi, the Chairman Board of Electro Homoeopathic Medicine, Uttar Pradesh, INDIA vide Ref: 02451/BEHM/Personal /82 addressed to the Department of Health & Social Security was done on 26 February, 182.

In the same connection Department of Health & Social Security says the following:

JAK

DEPARTMENT OF HEALTH AND SOCIAL SECURITY

Our Ref: G/IDR/HS2B
Your Ref: 02451/BEHM/Personal/82

AIR MAIL

Hannibal House
Elephant and Castle
London SE1 6TE
Tel: 01-703 6380

Dr M H Idrisi
Chairman
Board of Electro Homoeopathic
Medicine
Uttar Pradesh
Fil: Colony Juhi
Court Mattei Street
KANPUR - 208014
INDIA

23 March 1982

Dear Dr Idrisi

Thank you for your letter of 26 February concerning the practise of Electro Homoeopathy and acceptance of medical certificates issued by practitioners of it.

I should first explain that this Department's main responsibility is for treatment provided within the National Health Service which must, by law, be given or prescribed by qualified medical practitioners registered with the General Medical Council of this country. Such practitioners can under the NHS offer to use any form of treatment they consider to be in their patients' interests. Those people practising homoeopathy who are not so qualified and registered cannot provide treatment within the NHS but they do have a common law right to practise privately provided they do not claim to be a registered medical practitioner, do not claim that they are able to cure cancer and do not treat patients for venereal disease.

You will appreciate from what I have said that unless practitioners registered by the Board of Electro Homoeopathic Medicine are also qualified medical practitioners registered with the General Medical Council of this country, they cannot practise homoeopathy within the NHS. I am afraid the Department is not in a position to assess whether their qualifications are sufficient to enable them to practise homoeopathy privately in this country if they are already living here and I would suggest that you write to the British Homoeopathic Association, 27A, Devonshire Street, London W1N 1RJ who may be able to advise you. Any of your practitioners who propose to come to this country would also be well advised to check with the Home Office Immigration Department, whose address is Wellesley Road, Croydon, Surrey, as to whether they would be allowed an entry/work Permit.

With regard to certificates issued by practitioners of Electro Homoeopathy, the general position is that a person claiming national insurance sickness or invalidity benefit must produce evidence of incapacity for work either by means of the official form Med 3, now known as a doctor's statement, which can only be issued by registered medical practitioners, or by such other means as the determining authorities may accept as sufficient in the circumstances of the particular case. It is under this latter provision that consideration is given to certificates issued by non registered medical practitioners.

National Insurance benefit claims are determined by independent adjudicating authorities appointed for this purpose under the Social Security Act. These are the insurance officer in the first instance, the local tribunal, and a Commissioner who is the final adjudicating authority appointed under the Act. When deciding a claim these independent statutory authorities consider any evidence of incapacity which is submitted by the claimant in support of his claim. They will also consider whether any additional evidence or information is required before they give their decision on the claim for benefit.

1

2

Several non-medical bodies provide their members with a form of certificate for issue to their patients and any such certificate submitted in support of a claim for benefit is considered, but I would like to emphasise that there is no automatic acceptance of any certificate or doctor's statement. It is entirely a matter within the discretion of the independent authorities to consider whether the evidence in a particular case, either medical or non-medical, constitutes satisfactory evidence of incapacity for work.

Yours sincerely

G. M. Lea C

Electro Homoeopathic Medical Association of India
(An Organization of Electro Homoeopathic Practitioners & Institutions)
Recipient of ORDER NO C.30011/22/2010-HR
Government of India, Ministry of Health & Family Welfare
Department of Health Research
Head Office: 127/204 "S" Juhi, KANPUR-208014
Adm.Office: 8-Lal Bagh, Lucknow-226001 E-mail : ehmaik@gmail.com

आवश्यक सूचना

समस्त सम्बंधित को सूचित किया जाता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल ऐसोसिएशन ऑफ इण्डिया (**E.H.M.A.I.**) के दिल्ली के सभी कार्यालय तत्काल प्रभाव से बंद कर दिये गये हैं उनके कार्य मुख्यालय कानपुर से सम्पन्न होंगे।

अध्यक्ष

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल ऐसोसिएशन ऑफ इण्डिया (**E.H.M.A.I.**)

List of Medical Institutes/Institute

Sr.	Code	Name	District	Principle & Mob.No.
1	01	Ashish Electro Homoeopathic Medical Institute	RAIBARELY	Dr. P. N. Kushwaha 9415177119
2	03	Awadh Electro Homoeopathic Medical Institute	LUCKNOW	Dr. Ashutosh Kapoor 9125720111
3	05	Bhagwan Mahaveer Electro Homoeopathic Institute	JAUNPUR	Dr. P. K. Maurya 9451162709
4	06	Maa Sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	LAKHIMPUR	Dr. R.K. Sharma 9454236971
5	11	Chand Par Electro Homoeopathic Medical Institute	AZAMGARH	Dr. Mushtaq Ahmad 9415358163
6	13	Azad Electro Homoeopathic Medical Institute, Kintoor	BARABANKI	Dr. Habib-ur-Rehman 8574239344
7	15	Electro Homoeopathic Medical Institute	SHAHJAHANPUR	Dr. Ammar-Bin-Sabir 9336034277
8	16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Institute	Shahganj JAUNPUR	Dr. S. N. Rai 9450088327
9	17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	SIDDHARTH NAGAR	Dr. Ved Prakash Srivastav 9936022029

List of Study Centres

Sr.	Code	Name	District	Principle & Mob.No.
11	51	Fatehpur E.H. Study Centre	FATEHPUR	Dr. Vakeel Ahmad 8115210751
12	52	Deoria E.H. Study Centre	DEORIA	Dr. P. K. Srivastav 9415826491
13	53	Bahraich E.H. Study Centre	BAHRAICH	Dr. Bhoop Raj. Srivastav 9451786214
14	54	Unnao E.H. Study Centre	UNNAO	Dr. Gaurav Dwivedi 9935332052
15	55	Walidpur E.H. Study Centre	Walidpur MAU	Dr. Ayaz Ahmad 9305963908
16	56	Aarti E.H. Study Centre	JALAUN	Dr. Gaya Prasad 8874429538
17	57	B.K. E.H. Study Centre	HAMIRPUR (U.P.)	Dr. N.B.Nigam 7007352458
18	58	Electro Homoeopathic Study Centre	Hasanganj UNNAO	Hakim Mohd. Rashid Hayat 9005680843
19	59	Sirsaganj E.H. Study Centre	Sirsaganj FIROZABAD	Dr. Mohd. Israr Khan 9634503421
20	60	Etawah E.H. Study Centre	ETAWAH	Dr. Mohd. Akhlak Khan 7417775346
21	61	Firozabad E.H. Study Centre	FIROZABAD	Dr. Shiv Kumar Pal 9027342885
22	62	D.L.M.M. Study Centre of E.H.	MAHARAJGANJ	Dr. Prince Srivasta 7398941680
23	63	Kushwaha E.H. Study Centre	KANPUR	Dr. Ram Autar Kushwaha 9793264649

AUTHORISED STUDY CENTRES OF OTHER STATES

Sr.	Code	Head of Centre	Address	District
22	81	Dr. Devendra Singh Mobile No 9818120565	374/4 Shaheed Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar	DELHI-110090

LIST OF AUTHRISED EXAMINATION CENTRES

Sr.	Code	Name of Examination Centre	Address	Name of Supdt. & Mobile No.
24	91	Khurja E.H. Examination Centre	Kurja , BULAND SHAHAR	Dr. P. K. Raghav 7505186156
25	92	E.H. Examination Centre,Moradabad	MORADABAD	Dr. S.K. Saxena 8171869605
26	94	E.H. Examination Centre	B.E.H.M.U.P. KANPUR	Registrar B.H.M.U.P 0512-2970704

वर्चस्य के युद्ध में कहीं.....पेज 2 से आगे

एक नया मोड़ दे दिया है।

सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि अधिशासी आदेश निर्गत करेगी साथ–साथ यह भी कहा कि कमेटी जो निर्णय लेगी वही मान्य होगा, यह असम्भव सी बात है, यह आवश्यक नहीं है आज जो कुछ सरकार के पास पहुँचे वही अन्तिम हो इसलिए सम्भावनायें कभी समाप्त नहीं होती हैं, समय के अनुरूप सम्भावनायें बनती और बिगड़ती रहती हैं लेकिन वर्तमान परिस्थिति में हमें सब कुछ छोड़कर सिर्फ और सिर्फ इस बात पर विचार करना होगा कि वह सारी की सारी सामग्री सरकार तक पहुँचायी जाये जिससे कि सरकार संतुष्ट हो और इलेक्ट्रो होम्योपैथी को एक नयी व स्थायी दिशा मिल सके।

वैसे हमारी यही कामना है कि जो भी लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े हैं वह सदभावना के साथ आपस में जुड़े रहें क्योंकि सामूहिक प्रयास से ही सफलता मिले तो आनन्द अधिक मिलता है, आज समय की मांग है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में सबका अधिकार है इसलिए इस अधिकार का सुख सबको समान रूप से मिलना चाहिये।

बी० ई० एच० एम० के लिए डा० अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।